मार्क ट्वेन - काम का मज़ा!

हावर्ड गोल्डस्मिथ, चित्र: फ्रैंक हब्बास

मार्क ट्वेन - काम का मज़ा!

हावर्ड गोल्डस्मिथ, चित्र: फ्रैंक हब्बास

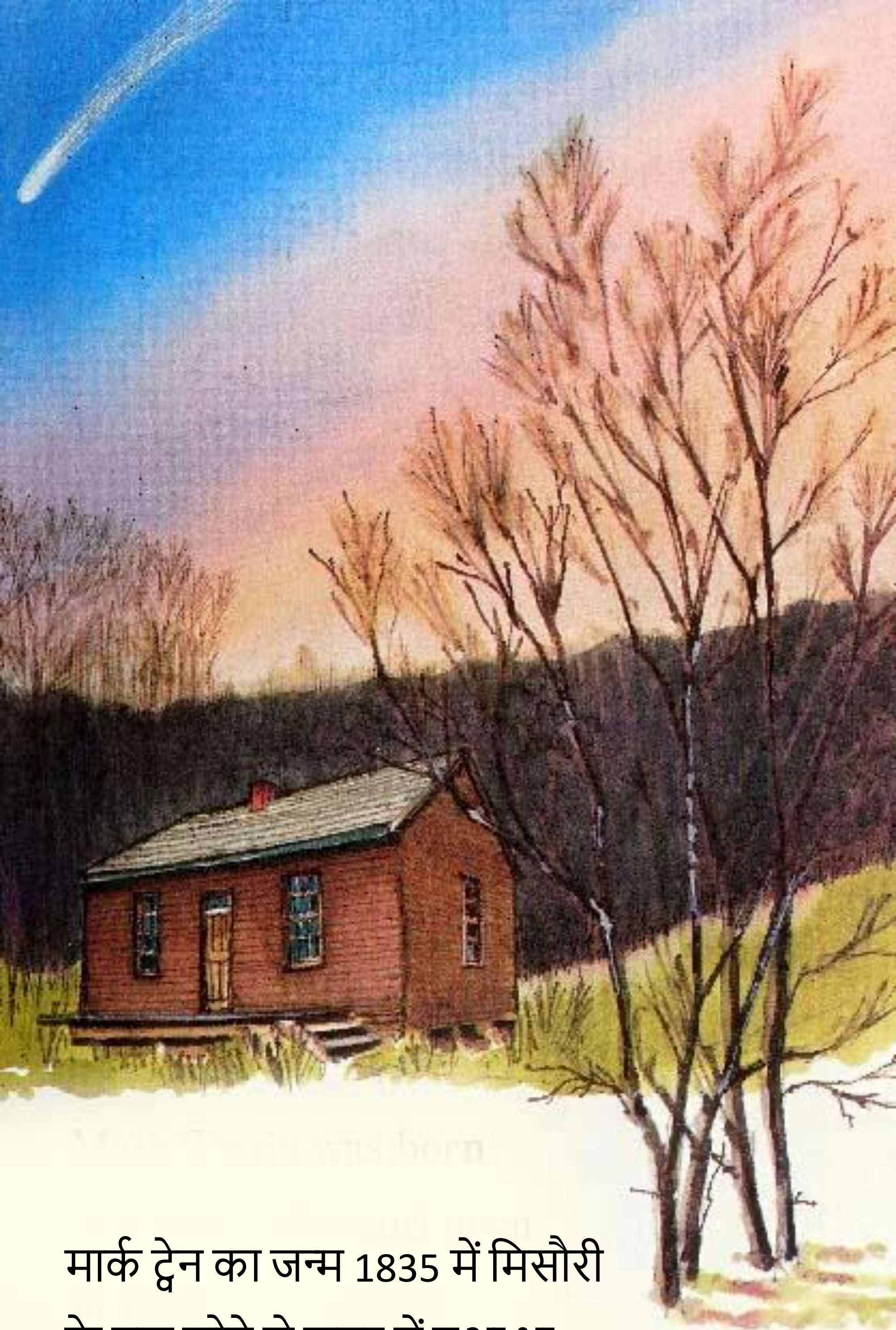

मार्क ट्वेन का जन्म 1835 में मिसौरी
के एक छोटे से शहर में हुआ था.

उनका असली नाम सैमुअल क्लेमेंस था. युवा सैम और उनके चचेरे भाई पक्के दोस्त थे. वे एक साथ बहुत खेलते थे.

उन्हें जंगल में घूमना, पेड़ों पर चढ़ना,
जामुन तोड़ना और नदी में तैरना पसंद था.

सैम को कभी भी बहुत देर तक स्थिर बैठना पसंद नहीं था. उनकी माँ ने एक बार पूछा, "सैम, क्या तुम्हारे पैरों में कोई घिरनी लगी है?"

"नहीं," सैम ने उत्तर दिया. "क्यों?"

"क्योंकि तुम हमेशा कूदते
और उछलते ही रहते हो."

सैम को स्कूल के घंटे बहुत लंबे और उबाऊ लगते थे.

एक दिन उसने कुछ मस्ती करने का फैसला किया.

उसने बिना ज़हर वाले एक सांप को अपनी जेब में रखा और उसे स्कूल ले गया.

"देखो, सब लोग!" सैम ने सांप को हवा में लहराते हुए कहा.

"बचाओ!" उसके सहपाठी चिल्लाए.

डर के मारे सभी बच्चे अपनी सीटों से कूद पड़े.

"बाप रे बाप, सांप!"

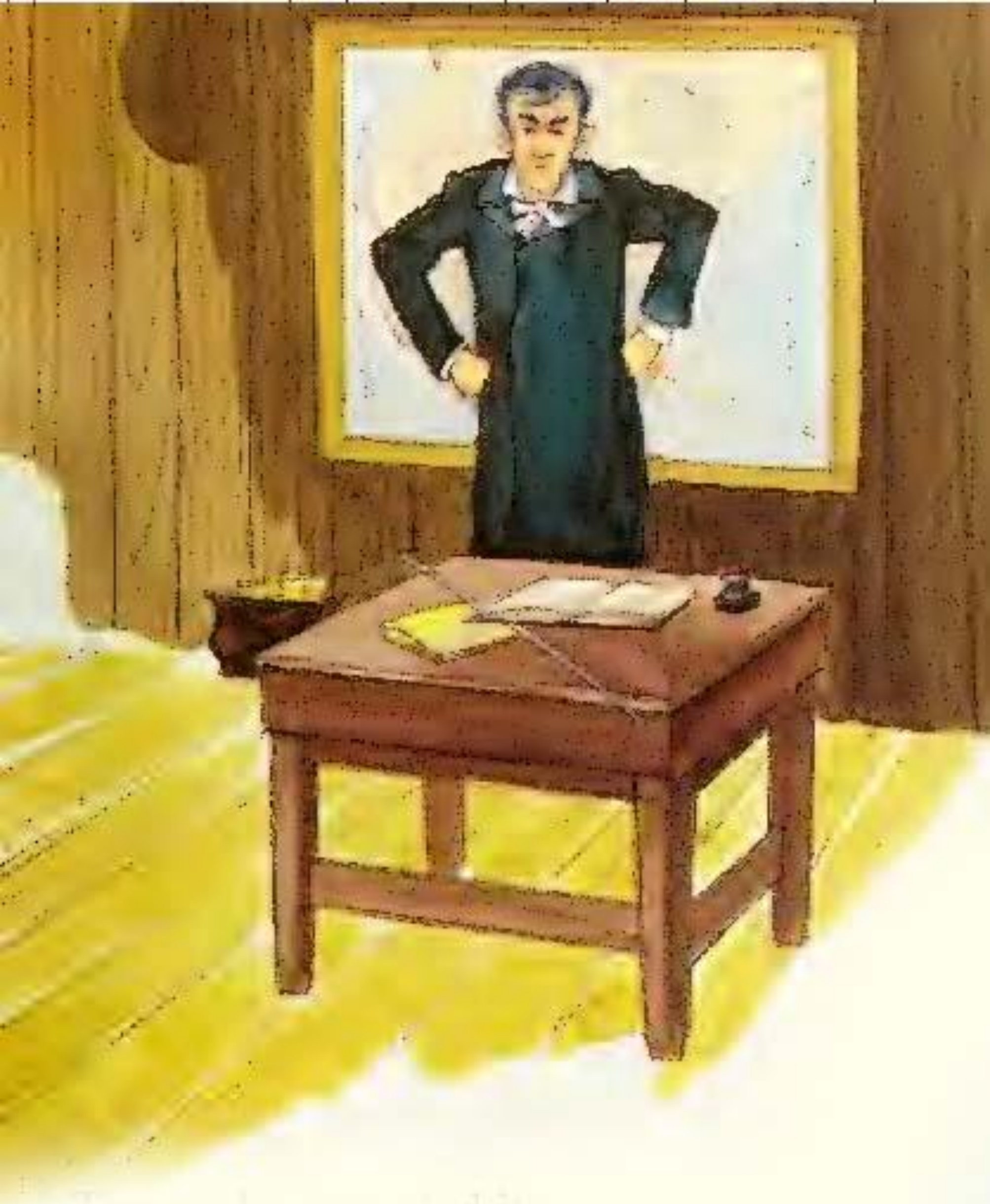

सांप, पूरे कमरे में रेंगता हुआ आगे बढ़ा. फिर वो टीचर मिस्टर क्रॉस के पैरों के पास आकर रुक गया.

मिस्टर क्रॉस ने सैम को बड़े गुस्से से देखा.

"सैमुअल लैंगहॉर्न क्लेमेंस!" वो चिल्लाए.

"उस सांप को तुरंत बाहर ले जाओ! अभी!"

"जी, सर," सैम ने सांप को उठाते हुए कहा.

अगले दिन मिस्टर क्रॉस ने सैम की मां से सांप के बारे में शिकायत की.

"मुझे माफ़ करें," सैम ने अपने जूतों की ओर देखते हुए कहा.

सैम की मां ने उसे सजा दी. उन्होंने सैम को घर के चारों ओर की पूरी बाड़ पेन्ट करने की सजा दी.

"यह तो बहुत बड़ा और मेहनत का काम है!' सैम ने बाड़ को घूरते हुए शिकायत की. “वो बाड़ एक मील लम्बी है."

"उस सजा के लिए तुम खुद को दोष दो!" माँ ने उत्तर दिया.

सैम ने अपने दोस्त सैंडी से, बाड़ को पेन्ट करने में मदद करने के लिए कहा.

"मुझे माफ़ करना, सैम," सैंडी ने कहा,

“देखो, मुझे कुएँ से पानी लाने जाना है. अलविदा!"

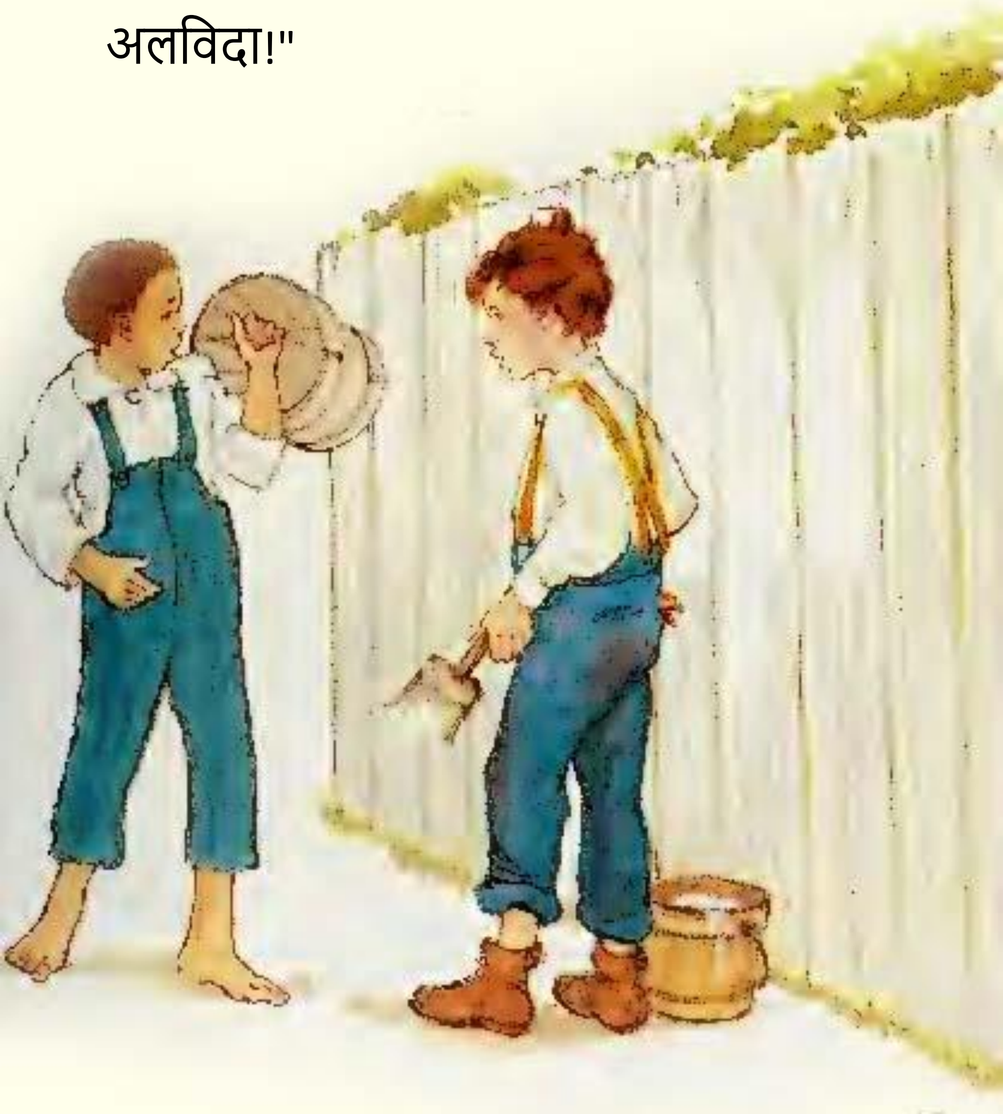

"धत्तेरे की!" सैम ने खुद से कहा. "अब मैं क्या करूँ?"

प्रार्थना के उत्तर में उसका मित्र विल बोवेन वहां पहुंचा.

"यह तो बहुत बड़ा काम है!" विल ने कहा.

"काम?" सैम ने उत्तर दिया. "इसमें बड़ा मज़ा है! तुम खुद ब्रश से पेन्ट करके देख सकते हो?"

"मज़ा?" विल ने हैरान होकर पूछा.

सैम ने बार-बार बाड़ पर पेन्ट ब्रश को आगे-पीछे किया.

"अगर तुम्हें किसी काम करने में मज़ा आए तो फिर वो काम, बोझिल नहीं होता है," सैम ने कहा.

"क्या मैं भी कुछ देर ब्रश से पेन्ट कर सकता हूँ?" विल ने पूछा.

"पेन्ट लगाने का मज़ा लेने के लिए तुम मुझे क्या दोगे?" सैम ने पूछा.

"क्या मुझे उसके लिए तुम्हें कुछ देना होगा?" विल ने हैरान होकर पूछा.

"बेशक," सैम ने कहा.

"चलो, जो मेरे पास है वो मैं तुम्हें दूंगा."

"ठीक," विल ने कहा.

विल ने सैम को अपना सेब दिया.

जब विल पेन्ट कर रहा था तब सैम सेब चबा रहा था.

जल्द ही उसका दोस्त जॉन ब्रिग्स भी वहां पर आया.

जॉन ने ब्रश से पेन्ट करने के लिए सैम को एक मेंढक दिया.

जब जॉन थक गया, तब सैम ने अपने दोस्त फ्रैंक को, ब्रश से पेन्ट करने का अगला मौका दिया.

देर दोपहर तक शहर के सभी लड़कों ने
मिलकर बाड़ को रंग दिया था.
सैम बिल्कुल भी थका नहीं था!

इसके अलावा, उसके पास अब दो मेंढक, दस कंचे, कीड़ों का एक डिब्बा, संतरे के छिलके और कुछ अन्य चीजें थीं.

सैम ने खुद से वादा किया, कि वो किसी दिन इन सब किस्सों को लिखेगा. उन किस्सों को बुनकर वो एक मजेदार कहानी बनाएगा. सैम को लोगों को हंसाना पसंद था.

जैसे-जैसे सैम बड़ा होता गया, उसने शब्दों से जादू का जाले बुनना सीख लिया. उसके लेख लोगों को मन्त्र-मुग्ध कर देते थे.

सालों बाद सैम ने मार्क ट्वेन के नाम से तमाम किताबें लिखीं. बाड़ को पेन्ट करने की कहानी मार्क ट्वेन की सबसे प्रसिद्ध किताबों में से एक थी : "द एडवेंचर्स ऑफ टॉम सॉयर."

मार्क ट्वेन अमेरिका के पसंदीदा हास्यकारों में से एक बने.

"द एडवेंचर ऑफ टॉम सॉयर" के बाद, मार्क ट्वेन ने "द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन" लिखी. उनके अनुसार उसमें लिखे ज़्यादातर कारनामे सच थे. वे सब तब घटे थे जब वह एक छोटा लड़का था.

मार्क ट्वेन के जीवन की एक समयरेखा :

1835 फ्लोरिडा, मिसौरी में सैमुअल लैंगहॉर्न क्लेमेंस के रूप में जन्म

1839 क्लेमेंस परिवार हैनिबल, मिसौरी शिफ्ट हुआ

1843 मार्क ट्वेन, विलियम क्रॉस के एक कमरे वाले स्कूल में पढ़ने गया

युवा ट्वेन ने अपने टीचर के बारे में लिखा:

"उनका नाम क्रॉस था और स्वभाव भी खराब था - क्रॉस एक आयरिश आलू पर कूद गया."

1848 “मिसौरी कूरियर” में अपरेंटिस बने

1852 ट्वेन का पहला प्रकाशित स्केच "बोस्टन कूरियर" में छपा

1857 मिसिसिपी नदी पर एक प्रशिक्षु पायलट के रूप में काम शुरू किया

1861 अपने भाई ओरियन के साथ नेवादा चले गए और खनन करने की कोशिश की

1862 "वर्जीनिया सिटी टेरीटोरियल एंटरप्राइज" के लिए एक रिपोर्टर के रूप में नौकरी की

1865 अपनी हास्य कहानी, "जिम स्माइली एंड हिज जंपिंग फ्रॉग" (बाद में 'द सेलिब्रेटेड जंपिंग फ्रॉग ऑफ कैलावरस काउंटी' के रूप में प्रकाशित) से प्रसिद्धि प्राप्त की.

1866 एक विनोदी व्याख्याता के रूप में करियर की शुरुआत करते हुए,
अपने अनुभवों पर अपना पहला व्याख्यान दिया

1870 ओलिविया लिंटन से शादी की

1871 वे हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट में बस गए

1876 "द एडवेंचर्स ऑफ टॉम सॉयर" को एक बड़ी सफलता मिली

1882 "प्रिंस एंड द पॉपर" पुस्तक प्रकाशित हुई

1884 "द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन" लंदन में प्रकाशित हुई,
अगले वर्ष वोअमेरिका में प्रकाशित हुई

1904 पत्नी ओलिविया का साठ वर्ष की आयु में निधन

1910 रेडिंग, कनेक्टिकट में पचहत्तर वर्ष की आयु में मृत्यु